कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY-001

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम.ए.जे.वाई)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.जे.वाई. - 001 : भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं ऐतिहासिकता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्नपत्र कुल* **दो** *खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. त्रिस्कन्ध ज्योतिष का विस्तार से वर्णन कीजिए।
2. शिक्षा के क्षेत्र में ज्योतिष की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालिए ।
3. सृष्टि की उत्पत्ति के विविध सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

4. ज्योतिष के स्कन्धों का पारस्परिक सम्बन्ध क्या है ? उल्लेख कीजिए।
5. विश्व एवं सौर परिवार की अवधारणा का विस्तार से वर्णन कीजिए।
6. ज्योतिष में देश की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसके भेदों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

निर्देश: निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

$4 \times 10 = 40$

7. होरा स्कन्ध का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
8. ज्योतिषशास्त्र क प्रतिष्ठाविषयक तथ्यों का उल्लेख कीजिए।
9. वैदिक ज्योतिष और वेदांग ज्योतिष के सम्बन्ध तथा महत्व का उल्लेख कीजिए।
10. पर्यावरण और ज्योतिष के सम्बन्ध को निरूपित कीजिए।
11. संस्कृत वाङ्मय पर संक्षेप में प्रकाश डाजिए।
12. ज्योतिष के प्रवर्तक आचार्यों का पठित अंश के आधार पर वर्णन कीजिए।
13. रत्नविज्ञान तथा आयुर्वेद से ज्योतिष के सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।
14. ज्योतिष की सहायता से स्वास्थ्य का ज्ञान कैसे करेंगे ? वर्णन कीजिए।